लखनऊ विश्वविद्यालय

University of Lucknow

(Accredited A++ by NAAC)

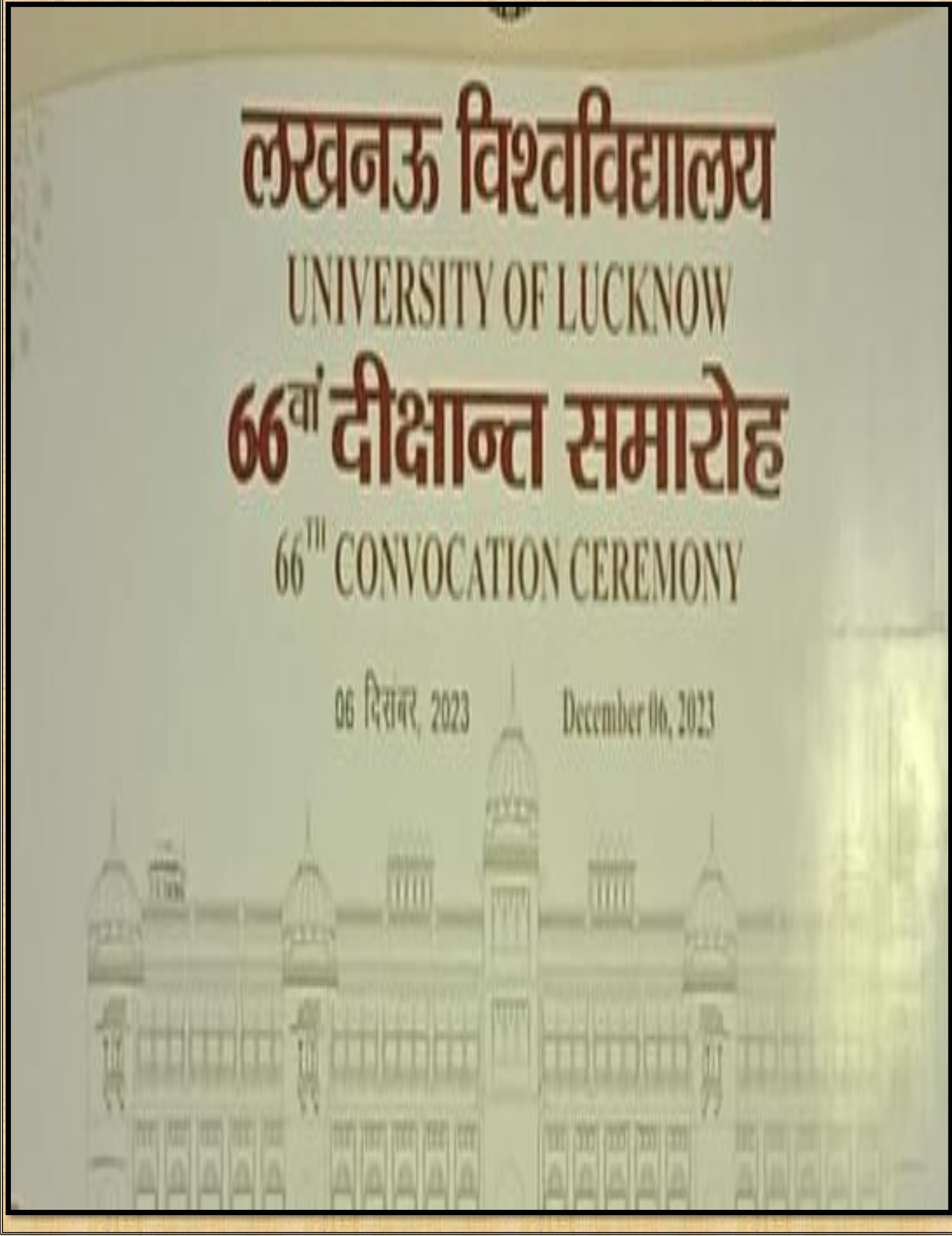

66वाँ दीक्षांत समारोह–2023

06.12.2023

क्षण–प्रतिक्षण विवरण

समय	कार्यक्रम	
10:59बजे	श्रीमती आनंदीबेन पटेल, माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति लखनऊ विश्वविद्यालय का आगमन	
11:00बजे	श्रीमती आनंदीबेन पटेल, माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा 100 फुट ऊँचे राष्ट्रीय झण्डे का ध्वजारोहण	
11:01बजे	श्रीमती आनंदीबेन पटेल, माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा संविधान स्थल का लोकार्पण	
11:02बजे	परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर भारत रत्न डॉ0 भीमरावराम जी आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि	
11:03बजे	श्रीमती आनंदीबेन पटेल, माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं कुलाधिपति लखनऊ विश्वविद्यालय एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का वस्त्रालंकरण कक्ष की ओर प्रस्थान	
11:04बजे	माननीया कुलाधिपति, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, मानद उपाधि प्राप्तकर्ता एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का वस्त्रालंकरण	
11:07बजे	माननीया कुलाधिपति एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का शैक्षिक शोभायात्रा के सदस्यों के साथ सामूहिक छायाचित्र	
11:09बजे	शैक्षिक शोभायात्रा का मुख्य पण्डाल की ओर प्रस्थान शैक्षिक शोभा यात्रा निम्न क्रम में गठित होगी:– कुलसचिव सभा के सदस्य विद्यापरिषद के सदस्य कार्यपरिषद के सदस्य प्रति–कुलपति कुलपति मानद उपाधि प्राप्तकर्ता विशिष्ट अतिथि मुख्य अतिथि कुलाधिपति	
11:15बजे	उद्घोषिका	राष्ट्रगीत प्रस्तुति हेतु विद्यार्थियों को आमंत्रित करना।
11:16बजे	उद्घोषिका	जल भरो हेतु गणमान्य अतिथियों को आमंत्रित करना।
11:18बजे	उद्घोषिका	विश्वविद्यालय के कुलगीत की प्रस्तुति हेतु विद्यार्थियों को आमंत्रित करना।
11:20बजे	कुलपति	माननीया कुलाधिपति जी, मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि लखनऊ विश्वविद्यालय के 66वें दीक्षान्त समारोह के शुभारम्भ की घोषणा करने की कृपा करें।
	कुलाधिपति	**मैं लखनऊ विश्वविद्यालय के 66वें दीक्षान्त समारोह–2023 के आरम्भ की घोषणा करती हूँ।**
11:22बजे	उद्घोषिका	कुलपति जी को स्वागत उद्बोधन हेतु आमंत्रित करना।
	कुलपति	स्वागत उद्बोधन

11:27बजे	उद्घोषिका	कुलपति जी को दीक्षा एवं उपाधि प्रदान करने हेतु आमंत्रित करना।
	कुलपति	दीक्षा एवं उपाधि प्रदान करना– कुलपति द्वारा अनुशासनोपदेश कुलपति महोदय कहेंगे : मैं तुमको इस प्रकार प्रबोधन देता हूँ सत्य बोलो। धर्म का आचरण करो। स्वाध्याय से प्रमाद मत करो। माता को देवता मानो। पिता को देवता मानो। गुरू को देवता मानो। अतिथि को देवता मानो। जो हमारे अच्छे आचरण हैं वही तुम्हारे द्वारा ग्रहणीय है, अन्य नहीं। यही आदेश है, यही उपदेश है, यही अनुशासन है। तुम्हारा पथ मंगलमय हो।
11:28बजे	उद्घोषिका	कुलसचिव को उपाधि प्राप्तकर्ता अभ्यर्थियों हेतु संकायाध्यक्षों से अनुरोध करने हेतु आमंत्रित करना।
	कुलसचिव	विभिन्न उपाधि प्राप्तकर्ता अभ्यर्थियों हेतु सम्बन्धित संकायाध्यक्षों से अनुरोध किया जाना–
1.	कुलसचिव	संकायाध्यक्ष, कलासंकाय से अनुरोध है कि कलासंकाय के अभ्यर्थियों को माननीय कुलपति से उपाधि प्रदान करने हेतु अनुरोध करें।
	संकायाध्यक्ष, कलासंकाय	श्रीमन् मैं उन सभी अभ्यर्थियों को, जो विहित परीक्षा के उपरान्त कलासंकाय के विभिन्न विषयों पी–एच0डी0, एम0ए0, एम0एल0आई0एससी0, एम0एस0डब्ल्यू0, एम0टी0ए0, एम0एच0ए0, एम0पी0एच0, एम0पी0एस0, एम0पी0एड0, पी0जी0 डिप्लोमा, बी0पी0एड़, बी0एल0आई0एससी0, बी0ए0, बी0ए0(आनर्स), डिप्लोमा, आचार्य तथा शास्त्री की उपाधि के योग्य प्रमाणित हो चुके हैं, कलासंकाय के उपरिवर्णित विषयों में उपाधि प्रदान करने का अनुरोध करता हूँ।
	कुलपति	लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति के अधिकार से मैं आपको विश्वविद्यालय की पी–एच0डी0, एम0ए0, एम0एल0आई0एससी0, एम0एस0डब्ल्यू0, एम0टी0ए0, एम0एच0ए0, एम0पी0एच0, एम0पी0एस0, एम0पी0एड0, पी0जी0 डिप्लोमा, बी0पी0एड़, बी0एल0आई0एससी0, बी0ए0, बी0ए0(आनर्स), डिप्लोमा, आचार्य तथा शास्त्री की उपाधि प्रदान करता हूँ। आपको चाहिए कि आप जीवन भर अपने को इस उपाधि के अनुरूप प्रमाणित करते रहें।
2.	कुलसचिव	संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय से अनुरोध है कि विज्ञान संकाय के अभ्यर्थियों को माननीय कुलपति से उपाधि प्रदान करने हेतु अनुरोध करें।
	संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय	श्रीमन् मैं उन सभी अभ्यर्थियों को, जो विहित परीक्षा के उपरान्त विज्ञान संकाय के विभिन्न विषयों पी–एच0डी0, एम0एससी0, बी0एससी0, एम0सी0ए0 तथा बी0वी0ए0 (रिनेवबल एनर्जीटेक्नोलॉजी तथा साफ्टवेयर डेवलपमेन्ट) की उपाधि के योग्य प्रमाणित हो चुके हैं, विज्ञान संकाय के उपरिवर्णित विषयों में उपाधि प्रदान करने का अनुरोध करता हूँ।
	कुलपति	लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति के अधिकार से मैं आपको विश्वविद्यालय की पी–एच0डी0, एम0एससी0, बी0एससी0, एम0सी0ए0 तथा बी0वी0ए0 (रिनेवबल एनर्जी

		टेक्नोलॉजी तथा साफ्टवेयर डेवलपमेन्ट) की उपाधि प्रदान करता हूँ। आपको चाहिए कि आप जीवन भर अपने को इस उपाधि के अनुरूप प्रमाणित करते रहें।
3.	कुलसचिव	संकायाध्यक्ष, वाणिज्य संकाय से अनुरोध है कि वाणिज्य संकाय के अभ्यर्थियों को माननीय कुलपति से उपाधि प्रदान करने हेतु अनुरोध करें।
	संकायाध्यक्ष, वाणिज्य संकाय	श्रीमन् मैं उन सभी अभ्यर्थियों को, जो विहित परीक्षा के उपरान्त वाणिज्य संकाय के विभिन्न विषयों पी–एच0डी0, एम0कॉम0, एम0कॉम0(एप्लाईड इकोनॉमिक्स), एम0बी0ए0, एम0बी0ए0(आई0बी0), एम0बी0ए0(एफ0सी0), एम0बी0ए0(मार्केटिंग), एम0बी0ए0(एच0आर0आई0आर0), बी0बी0ए0, बी0बी0ए0(आई0बी0), बी0बी0ए0(एम0एस0), बी0कॉम0 एवं बी0कॉम0(आनर्स) की उपाधि के योग्य प्रमाणित हो चुके हैं, वाणिज्य संकाय के उपरिवर्णित विषयों में उपाधि प्रदान करने का अनुरोध करती हूँ।
	कुलपति	लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति के अधिकार से मैं आपको विश्वविद्यालय की पी–एच0डी0, एम0कॉम0, एम0कॉम0(एप्लाईड इकोनॉमिक्स), एम0बी0ए0, एम0बी0ए0(आई0बी0), एम0बी0ए0(एफ0सी0), एम0बी0ए0(मार्केटिंग), एम0बी0ए0(एच0आर0आई0आर0), बी0बी0ए0, बी0बी0ए0(आई0बी0), बी0बी0ए0(एम0एस0), बी0कॉम0 एवं बी0कॉम0(आनर्स) की उपाधि प्रदान करता हूँ। आपको चाहिए कि आप जीवन भर अपने को इस उपाधि के अनुरूप प्रमाणित करते रहें।
4.	कुलसचिव	संकायाध्यक्ष, विधि संकाय से अनुरोध है कि विधि संकाय के अभ्यर्थियों को माननीय कुलपति से उपाधि प्रदान करने हेतु अनुरोध करें।
	संकायाध्यक्ष, विधि संकाय	श्रीमन् मैं उन सभी अभ्यर्थियों को, जो विहित परीक्षा के उपरान्त विधि संकाय के विभिन्न विषयों पी–एच0डी0, एलएल0एम0, एलएल0बी0 तथा एलएल0बी0(इंटीग्रेटेड) की उपाधि के योग्य प्रमाणित हो चुके हैं, विधि संकाय के उपरिवर्णित विषयों में उपाधि प्रदान करने का अनुरोध करता हूँ।
	कुलपति	लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति के अधिकार से मैं आपको विश्वविद्यालय की पी–एच0डी0, एलएल0एम0, एलएल0बी0 तथा एलएल0बी0(इंटीग्रेटेड) की उपाधि प्रदान करता हूँ। आपको चाहिए कि आप जीवन भर अपने को इस उपाधि के अनुरूप प्रमाणित करते रहें।
5.	कुलसचिव	संकायाध्यक्ष, शिक्षा संकाय से अनुरोध है कि शिक्षा संकाय के अभ्यर्थियों को माननीय कुलपति से उपाधि प्रदान करने हेतु अनुरोध करें।
	संकायाध्यक्ष, शिक्षा संकाय	श्रीमन् मैं उन सभी अभ्यर्थियों को, जो विहित परीक्षा के उपरान्त शिक्षा संकाय के विभिन्न विषयों पी–एच0डी0, एम0ए0(शिक्षाशास्त्र), बी0एड0, एम0एड0तथा बी0एल0एड0 की उपाधि के योग्य प्रमाणित हो चुके हैं, शिक्षा संकाय के उपरिवर्णित विषयों में उपाधि प्रदान करने का अनुरोध करता हूँ।
	कुलपति	लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति के अधिकार से मैं आपको विश्वविद्यालय की पी–एच0डी0, एम0ए0(एजुकेशन), बी0एड0, एम0एड0तथा बी0एल0एड0 की उपाधि प्रदान करता हूँ। आपको चाहिए कि आप जीवन भर अपने को इस उपाधि के अनुरूप प्रमाणित करते रहें।
6.	कुलसचिव	संकायाध्यक्ष, ललित कला संकाय से अनुरोध है कि ललित कला संकाय के अभ्यर्थियों को माननीय कुलपति से उपाधि प्रदान करने हेतु अनुरोध करें।

	संकायाध्यक्ष, ललित कला संकाय	श्रीमन् मैं उन सभी अभ्यर्थियों को, जो विहित परीक्षा के उपरान्त ललित कला संकाय के विभिन्न विषयों पी–एच0डी0, मास्टर ऑफ विजुवल आर्ट, बेचलर ऑफ विजुवल आर्ट एवं बी0एफ0ए0 की उपाधि के योग्य प्रमाणित हो चुके हैं, ललित कला संकाय के उपरिवर्णित विषयों में उपाधि प्रदान करने का अनुरोध करता हूँ।
	कुलपति	लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति के अधिकार से मैं आपको विश्वविद्यालय की पी–एच0डी0, मास्टर ऑफ विजुवल आर्ट, बेचलर ऑफ विजुवल आर्ट एवं बी0एफ0ए0 की उपाधि प्रदान करता हूँ। आपको चाहिए कि आप जीवन भर अपने को इस उपाधि के अनुरूप प्रमाणित करते रहें।
7.	कुलसचिव	संकायाध्यक्ष, आयुर्वेद संकाय से अनुरोध है कि आयुर्वेद संकाय के अभ्यर्थियों को माननीय कुलपति से उपाधि प्रदान करने हेतु अनुरोध करें।
	संकायाध्यक्ष, आयुर्वेद संकाय	श्रीमन् मैं उन सभी अभ्यर्थियों को, जो विहित परीक्षा के उपरान्त आयुर्वेद संकाय के विषय बेचलर ऑफ आयुर्वेद, एम0डी0 एवं पी–एच0डी0 की उपाधि के योग्य प्रमाणित हो चुके हैं, आयुर्वेद संकाय के उपरिवर्णित विषयों में उपाधि प्रदान करने का अनुरोध करता हूँ।
	कुलपति	लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति के अधिकार से मैं आपको विश्वविद्यालय की बेचलर ऑफ आयुर्वेद, एम0डी0 एवं पी–एच0डी0 की उपाधि प्रदान करता हूँ। आपको चाहिए कि आप जीवन भर अपने को इस उपाधि के अनुरूप प्रमाणित करते रहें।
8.	कुलसचिव	संकायाध्यक्ष, यूनानी संकाय से अनुरोध है कि यूनानी संकाय के अभ्यर्थियों को माननीय कुलपति से उपाधि प्रदान करने हेतु अनुरोध करें।
	संकायाध्यक्ष, यूनानी संकाय	श्रीमन् मैं उन सभी अभ्यर्थियों को, जो विहित परीक्षा के उपरान्त यूनानी संकाय के विषय बी0यू0एम0एस0 की उपाधि के योग्य प्रमाणित हो चुके हैं, यूनानी संकाय के उपरिवर्णित विषय में उपाधि प्रदान करने का अनुरोध करता हूँ।
	कुलपति	लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति के अधिकार से मैं आपको विश्वविद्यालय की बी0यू0एम0एस0 की उपाधि प्रदान करता हूँ। आपको चाहिए कि आप जीवन भर अपने को इस उपाधि के अनुरूप प्रमाणित करते रहें।
9.	कुलसचिव	संकायाध्यक्ष, अभियांत्रिकी और तकनीकी संकाय से अनुरोध है कि अभियांत्रिकी और तकनीकी संकाय के अभ्यर्थियों को माननीय कुलपति से उपाधि प्रदान करने हेतु अनुरोध करें।
	संकायाध्यक्ष, अभियांत्रिकी और तकनीकी संकाय	श्रीमन् मैं उन सभी अभ्यर्थियों को, जो विहित परीक्षा के उपरान्त अभियांत्रिकी और तकनीकी संकाय के विभिन्न विषयों बी0टेक इन सिविल इंजीनियरिंग, बी0टेक इन कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग, बी0टेक इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, बी0टेक इन इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, बी0टेक इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग, मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स(एम0सी0ए0), बेचलर इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स(बी0सी0ए0) तथा डिप्लोमा इन फार्मेसी की उपाधि के योग्य प्रमाणित हो चुके हैं, अभियांत्रिकी और तकनीकी संकाय के उपरिवर्णित विषयों में उपाधि प्रदान करने का अनुरोध करता हूँ।
	कुलपति	लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति के अधिकार से मैं आपको विश्वविद्यालय की बी0टेक इन सिविल इंजीनियरिंग, बी0टेक इन कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग, बी0टेक इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, बी0टेक इन इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग, बी0टेक इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग, मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स(एम0सी0ए0), बैचलर इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन्स(बी0सी0ए0) तथा डिप्लोमा इन फार्मेसी की उपाधि प्रदान करता हूँ। आपको चाहिए कि आप जीवन भर अपने को

		इस उपाधि के अनुरूप प्रमाणित करते रहें।
10.	कुलसचिव	संकायाध्यक्ष, योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय से अनुरोध है कि योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा के अभ्यर्थियों को माननीय कुलपति से उपाधि प्रदान करने हेतु अनुरोध करें।
	संकायाध्यक्ष, योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय	श्रीमन् मैं उन सभी अभ्यर्थियों को, जो विहित परीक्षा के उपरान्त योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय के विभिन्न विषयों एम0ए0/एम0एस0सी0 इन योग, पी0जी0 डिप्लोमा इन योग तथा बी0ए0/बी0एस0सी0 इन योग की उपाधि के योग्य प्रमाणित हो चुके हैं, योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय के उपरिवर्णित विषयों में उपाधि प्रदान करने का अनुरोध करता हूँ।
	कुलपति	लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति के अधिकार से मैं आपको विश्वविद्यालय की एम0ए0/एम0एस0सी0 इन योग, पी0जी0 डिप्लोमा इन योग तथा बी0ए0/बी0एस0सी0 इन योग की उपाधि प्रदान करता हूँ। आपको चाहिए कि आप जीवन भर अपने को इस उपाधि के अनुरूप प्रमाणित करते रहें।
11:43बजे	उद्घोषिका	माननीया कुलाधिपति महोदया को डिजीलॉकर में उपाधियों के समावेश हेतु आमंत्रित करना
		माननीया कुलाधिपति महोदया द्वारा डिजीलॉकर में उपाधियों का समावेश किया जाना
11:44बजे	उद्घोषिका	माननीया कुलाधिपति, मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि तथा कुलपति द्वारा पदक वितरण हेतु कुलसचिव को आमंत्रित करना।
12:28बजे	कुलसचिव	परीक्षा नियंत्रक से उपाधि रजिस्टर एवं मानद उपाधि रजिस्टर पर माननीया कुलाधिपति महोदया से हस्ताक्षर हेतु अनुरोध
12:29बजे	उद्घोषिका	(अ) विश्वविद्यालय की उपलब्धियॉं एवं वार्षिक गतिविधियॉं 2022–23 के विमोचन हेतु माननीया कुलाधिपति महोदया से अनुरोध करना
		उपलब्धियॉं एवं वार्षिक गतिविधियॉं 2022–23 का विमोचन
		(ब) विश्वविद्यालय शिक्षकों द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन माननीया कुलाधिपति महोदया से अनुरोध करना।

		पुस्तक का नाम	**लेखक/शिक्षक का नाम/पदनाम/विभाग**
	1	योग एवं समग्र स्वास्थ्य	डा0 अमरजीत यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन
	2	A Concise Guide on Report Writing & Presentation Skills	Prof. Monisha Banerjee, Dr. Kalpana Singh & Dr. Jyotika Rajawat, Department of Zoology
	3	संस्कृतवांगमयी (जर्नल्स)	डा0 अभिमन्यु सिंह, सहायक आचार्य, संस्कृत भाषा विभाग
	4	खाद्य सेवा प्रबन्धन	डा0 देविना सहाय, सहायक प्राध्यापिका, गृह विज्ञान विभाग
	5	Laws Relating to Women & Children	Dr. Alok Kumar Yadav, Associate Professor, Faculty of Law
	6	Biodiversity of Governor House (Raj Bhawan) Lucknow, Uttar Pradesh	Prof. Amita Kanaujia, Department of Zoology
	7	Enhancing Communication Skills	Prof. Archana Shukla & Tisha Sen, Department of Psychology
	8	Self Enhancement Skills	Prof. Archana Shukla & Dr. Amreen Fatima, Department of Psychology

12:31बजे	उद्घोषिका	डॉ0 संदीप गोयल, सी0एम0डी0, रेडिफ्यूजन इंडिया को मानद उपाधि प्रदान करने हेतु मा0 कुलपति जी से अनुरोध एवं वाणिज्य संकायाध्यक्ष को मानद उपाधि हेतु उद्धरण हेतु आमंत्रित करना।
		माननीय कुलपति द्वारा डॉ0 संदीप गोयल, सी0एम0डी0, रेडिफ्यूजन इंडिया को मानद उपाधि प्रदान किया जाना
12:32बजे	उद्घोषिका	डॉ0 संदीप गोयल, सी0एम0डी0, रेडिफ्यूजन इंडिया को उद्बोधन हेतु आमंत्रित करना।

		डॉ0 संदीप गोयल, सी0एम0डी0, रेडिफ्यूजन इंडिया का उद्बोधन।
12:38बजे	उद्घोषिका	श्रीमती रजनी तिवारी, मा0 उच्च शिक्षा राज्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, विशिष्ट अतिथि को उद्बोधन हेतु आमंत्रित करना।
	विशिष्ट अतिथि	श्रीमती रजनी तिवारी, मा0 उच्च शिक्षा राज्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, विशिष्ट अतिथि का उद्बोधन
12:43बजे	उद्घोषिका	पद्म श्री प्रोफेसर बलराम भार्गव, पूर्व डी0जी0, आई0सी0एम0आर0, चीफ, कॉर्डियोथोरेसिक सर्जरी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्था, नई दिल्ली को उद्बोधन हेतु आमंत्रित करना।
	मुख्य अतिथि	पद्म श्री प्रोफेसर बलराम भार्गव, पूर्व डी0जी0, आई0सी0एम0आर0, चीफ, कॉर्डियोथोरेसिक सर्जरी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्था, नई दिल्ली का उद्बोधन।
12:53बजे	उद्घोषिका	श्रीमती आनंदीबेन पटेल, माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं माननीया कुलाधिपति, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा उम्मीद संस्था के अभियान ''भिक्षा से शिक्षा की ओर'' के बच्चों को पुस्तक एवं उपहार का वितरण हेतु अनुरोध करना।
	उद्घोषिका	स्कूली बच्चों के साथ समूह छायाचित्र हेतु अनुरोध।
12:57बजे	उद्घोषिका	श्रीमती आनंदीबेन पटेल, माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं माननीया कुलाधिपति, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों हेतु आंगनबाड़ी कार्यकत्री को किट का वितरण हेतु अनुरोध करना।
	उद्घोषिका	आंगनबाड़ी कार्यकत्री के साथ समूह छायाचित्र हेतु अनुरोध।
12:59बजे	उद्घोषिका	श्रीमती आनंदीबेन पटेल, माननीया राज्यपाल, उत्तर प्रदेश एवं माननीया कुलाधिपति, लखनऊ विश्वविद्यालय का अध्यक्षीय उद्बोधन हेतु अनुरोध करना।
	कुलाधिपति	**माननीया कुलाधिपति, लखनऊ विश्वविद्यालय का अध्यक्षीय उद्बोधन**
13:19बजे	उद्घोषिका	मंच पर विराजमान अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह स्वरूप पुस्तकें दिये जाने हेतु कुलपति जी से अनुरोध करना।
	कुलपति	मंच पर विराजमान अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह स्वरूप पुस्तकें दिया जाना
13:21बजे	कुलपति	''माननीया कुलाधिपति जी, मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि लखनऊ विश्वविद्यालय के 66वें दीक्षान्त समारोह को समाप्त करने की घोषणा करने की कृपा करें।''
	कुलाधिपति	**''मैं लखनऊ विश्वविद्यालय के 66वें दीक्षान्त समारोह–2023 को समाप्त करने की घोषणा करती हूँ।''**
13:22बजे	उद्घोषिका	राष्ट्र गान
13:23बजे	उद्घोषिका	शैक्षिक शोभायात्रा का प्रस्थान
13:27बजे	उद्घोषिका	पदक धारकों के साथ समूह छायाचित्र
13:30बजे	उद्घोषिका	अतिथियों का वस्त्र अलंकरण कक्ष से प्रस्थान

लखनऊ विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF LUCKNOW
66वाँ दीक्षान्त समारोह
66TH CONVOCATION CEREMONY
06 दिसंबर, 2023
December 06, 2023

THIS WAY PLEAS

लखनऊ विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF LUCKNOW
66वां दीक्षान्त समारोह
66TH CONVOCATION CEREMONY
06 दिसंबर, 2023
December 06, 2023

University of Luckno

News Portal

TIME TO CELEBRATE SUCCESS

It was time for celebration of success for meritorious students as the Lucknow University was all decked up for the convocation ceremony on Wednesday

LU Toppers Script Golden Tales Of Achievements

TOPPERS SPEAK

Success tip: More reading, lesser browsing

Work for society, protests don't make one a leader: Governor

'Attain edu by choice, enjoy learning process'

University unfurls 103-foot high tricolour, to fly 24 hours

Students from humble background strike gold

'India's space projects most economical'

SAMVIDHAN STHAL

कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल की अध्यक्षता में मना एलयू का 66वां दीक्षांत समारोह

स्टूडेंट्स को मिला पढ़ाई संग समाज की भलाई का मंत्र

LUCKNOW (6 Dec inext): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने बुधवार को अपना 66वां दीक्षांत समारोह मनाया. समारोह में 107 मेधावियों को 193 मेडल दिए गए. वहीं, 43 हजार 398 स्टूडेंट्स को डिग्री दी गई. एलयू के दीक्षांत समारोह में मेडल में गर्ल्स मैजिक दिखा. 107 मेधावी स्टूडेंट्स में से 79 छात्राओं ने पदक पर कब्जा जमाया. वहीं, 28 छात्रों को भी मेडल मिले. समारोह में सबसे अधिक मेडल अपराजिता सिंह को मिले. एमए एआईएच की स्टूडेंट रहीं अपराजिता को 8 गोल्ड मेडल और एक बुक प्राइज मिला है.

एलयू का 66वां दीक्षांत समारोह, प्रो. बलराम भार्गव रहे मुख्य अतिथि

एलयू दीक्षांत

कुल डिग्रियां	43398	कुल पदक	193	गोल्ड मेडल	173
सिल्वर मेडल	02	ब्रोन्ज मेडल	10	बुक प्राइज	08
मेधावियों की संख्या	107	छात्राएं	79	छात्र	28

श्रेयांश और इफ्त को 8 गोल्ड

6 में से 1 डॉक्टर भारतीय

प्रमुख मेडल पाने वाले स्टूडेंट्स

चांसलर ब्रोन्ज

काबिलियत से मिलेगी सफलता

विजेताओं की जिम्मेदारी बढ़ गई है

अपना 100 परसेंट देना बहुत जरूरी

बच्चों को सही रास्ता दिखाना है

लोगों को न्याय दिलाने का काम करूंगी

ऑनलाइन पढ़ाई भी जरूर करें

हेल्थ इंडस्ट्री में कमाना है नाम

मेरी मां आज होती तो बहुत खुश होती

पिता को डेडीकेट करूंगी मेडल

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, लघु सिंचाई खण्ड, सीतापुर

अतिअल्पकालीन ई-निविदा सूचना सं०-08/2023-24

मेधा की चमक

अपराजिता, श्रेयांश, इफ्फत और अमन का अभिनंदन!

लखनऊ विश्वविद्यालय के 66 वें दीक्षा समारोह में 107 मेधावियों को मिले 193 पदक

43,398	28	193
107	79	173
		02
		10

कुलपति द्वारा अनुशासनोपदेश

हर महामारी से निपटने को वैज्ञानिक तैयार : प्रो . भार्गव

भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय का दीक्षा समारोह 18 को

राज्यपाल की टिप्पणी पर जताई नाराजगी

बीबीडी यूनिवर्सिटी ने गेयर सी क्लब को 92 रन से दी शिकस्त

साइकिलिंग टीम में लखनऊ के चार खिलाड़ी

उत्तर प्रदेश रोड साइकिलिंग टीम

एक नजर

डेंगू के पांच नए मरीज मिले

अमृत विचार : जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में बुधवार को भी डेंगू के पांच नए मरीज मिले हैं। हालांकि राहत की बात यह है कि किसी भी मरीज की हालत नाजुक नहीं है। सभी का डॉक्टरों की निगरानी में इलाज चल रहा है। सीएमओ प्रवक्ता योगेश रघुवंशी ने बताया कि ये नए मरीज इंदिरानगर में दो और एनके रोड, इटौंजा और मलिहाबाद सीएचसी क्षेत्र में एक-एक मरीज मिला है। इसके अलावा टीम ने बुधवार को लगभग 1207 घरों एवं आस-पास मच्छरजनित स्थितियों का सर्वेक्षण किया। इनमें से कहीं भी डेंगू का लार्वा नहीं मिला है।

सात ब्लॉकों में पोर्टल के बजाय बाहर से भुगतान

अमृत विचार : लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी व रायबरेली के सात ब्लॉकों में विकास कार्यों के 17 भुगतान बाहर से कर दिए गए। जो पारदर्शिता के लिए संचालित पंचायत गेटवे पोर्टल से करना था। उपनिदेशक ने ऐसे सचिवों पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। 5 दिसंबर को लखनऊ मंडल के लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, रायबरेली व उन्नाव में विकास कार्यों के भुगतान की समीक्षा की गई। इस दौरान हरदोई के संडीला ब्लॉक में एक, लखीमपुर के मोहम्मदी में नौ व पसगवां में एक, लखनऊ के काकोरी व मलिहाबाद में एक-एक, रायबरेली के सलोन में तीन व सीतापुर के महमूदाबाद में एक ट्रांजेक्शन यानी कुल 17 भुगतान 7,92,989 रुपये का पंचायत गेटवे पोर्टल से नहीं किया गया। उपनिदेशक गिरीश चंद्र रजक ने संबंधित सचिवों के खिलाफ कार्रवाई के लिए जिला पंचायत राज अधिकारी को पत्र लिखा है।

डफरिन के टॉयलेट में गंदगी व फिसलन

अमृत विचार : वीरांगना अवंतीबाई महिला अस्पताल (डफरिन) की इमरजेंसी के टॉयलेट में छत से पानी टपक रहा है। इससे गंदगी के साथ फिसलन हो गई है इसके कारण गर्भवतियों के फिसल कर घायल होने की आशंका है। बुधवार को एक तीमारदार ने इसको लेकर नाराजगी जताते हुए फोटो व वीडियो वायरल की है। अस्पताल में करीब 400 से 450 तक कि ओपीडी रहती है। 10 से 12 प्रसव रोजाना कराए जाते हैं। ऐसे में टॉयलेट में गंदगी और फिसलन से गर्भवतियों के साथ कभी भी हादसा हो सकता है। इस मामले में अस्पताल की एमएस डॉ. सरिता सक्सेना का कहना है कि अस्पताल में मरम्मत का कार्य चल रहा है। गुरुवार तक इस समस्या का भी निस्तारण करा दिया जाएगा।

नगर निगम को मिली ऑटोमेटिक पैच वर्क मशीन

अमृत विचार : नगर निगम ने लगभग सवा करोड़ रुपये से ऑटोमेटिक पैच वर्क मशीन खरीदी है। इससे खराब सड़कों की तेजी से मरम्मत की जा सकेगी। बुधवार को विभूतिखंड गोमती नगर में ऑटोमेटिक पैच वर्क मशीन का महापौर सुषमा खर्कवाल ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह, पार्षद शैलेन्द्र वर्मा, मुख्य अभियंता महेश वर्मा, मुख्य अभियंता आरआर मनोज प्रभात सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह में मेधावियों के साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, कुलपति आलोक राय व साथ में अन्य। अमृत विचार

अपराजिता सिंह

इफ्फत खान

सिमरन कौर

श्रेयांश शुक्ला

रिचा सामंत

सम्मान पाने वाली छात्रा

छात्राओं के बढ़ते कदम से छात्र लें प्रेरणा : आनंदीबेन

राज्यपाल ने छात्रों को किया प्रेरित, लखनऊ विवि के शैक्षणिक कार्य के स्तर की सराहना की

66वां दीक्षांत समारोह

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शैक्षणिक सफलता की ओर छात्राओं के बढ़ते कदमों की प्रशंसा करते हुए कहा कि अब छात्रों को छात्राओं से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। लखनऊ विवि ने जिस तरह से तेजी से विश्व पटल पर अपनी ख्याति दर्ज कराई है, निश्चित रूप से वो बधाई का पात्र है। अन्य विवि को भी इसी तरह से आगे बढ़ने के प्रयास करते रहना चाहिए।

राज्यपाल व विवि की कुलाधिपति ने बुधवार को विवि के 66 वें दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए कार्यक्रम में अपना संबोधन दिया। उन्होंने कहा कि विवि में पदक पाने वालों की सूची में 80 फीसद छात्राएं हैं। इसी से पता चल रहा है कि छात्र कितना पिछड़ रहे हैं, इन्हें और कठिन परिश्रम की आवश्यकता है। विश्व पटल पर लखनऊ विवि को क्यूएस रैंकिंग, टाइम्स हायर रैंकिंग के अलावा राज्य विवि में यूजीसी में ग्रेड वन सहित अन्य उपलब्धियां पाना हम सबके लिए गर्व की बात है। अन्य विवि को भी इस ओर ध्यान देकर प्रयास करना चाहिए, इसके सहारे समृद्ध समाज की स्थापना की जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि दीक्षांत समारोह छात्र और हम सबके लिए उत्सव की तरह है। क्योंकि यहां से निकले मेधावी देश - दुनिया में अच्छा योगदान दे रहे हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, विवि के पूर्व छात्र व पद्मश्री प्रोफेसर बलराम भार्गव ने डिग्री धारकों और पदक विजेताओं के अलावा समस्त छात्रों को अलग - अलग क्षेत्रों में जाकर देश की उन्नति के लिए प्रोत्साहित किया। विवि की ओर से मानक उपाधि पाने वाले डॉ. संदीप गोयल ने विज्ञापन के क्षेत्र में बढ़ रही अपार संभावनाओं को विस्तार दिया। इस अवसर पर कुलाधिपति ने छात्र-छात्राओं को पदक देकर सम्मानित किया। साथ ही प्राथमिक विद्यालय बीकेटी और सरोजनी नगर के बच्चों में फल और बैग का वितरण किया। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को कुर्सी, मेज, ब्लैकबोर्ड और अन्य सामान वितरित किए। इस दौरान विवि कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय, उप कुलपति, सभी संकायों के अध्यक्ष सहित काफी संख्या में छात्र और अभिभावक मौजूद रहे।

छात्रा को सम्मानित करती राज्यपाल, साथ में कुलपति। अमृत विचार

विश्वविद्यालय ने खोले आत्मनिर्भरता के आयाम

लखनऊ विवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि यूजीसी द्वारा श्रेणी वन के रूप में अनुमोदित होने से विवि की स्वायत्तता के नए आयाम खुले हैं। बताया कि शिक्षा के बढ़ते स्तर से समाज उद्योग और अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। विवि की भूमिका कौशल, दक्षता और ज्ञान के साथ- साथ सेवा भावना से प्रेरित है।

मैं कुलाधिपति घोषणा करती हूं...

स्वागत, वंदन और अभिनंदन के साथ कुलाधिपति राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पदक और कार्यक्रम आरंभ करने की घोषणा की। इसी के बाद एक-एक कर मेडल, मानक उपाधि और उपहार दिए जाने लगे। 193 पदकों में से 107 पदक पाने वाले ही उपस्थित थे। जिसमें 79 छात्राएं और 28 छात्र शामिल थे। विवि के अलावा कई अन्य कॉलेज ने भी मेडल पाने में बढ़त हासिल की है।

तीन हजार से शुरू हुआ सफर लाखों में पहुंचा

आजादी के समय लखनऊ विवि में 3893 छात्र अध्ययन करते थे। बताते हैं कि उस समय विवि का बजट 23 लाख के करीब हुआ करता था। लेकिन वर्तमान परिवेश में विवि ने उड़ान भरी है। इस समय विवि के भीतर अध्ययनरत छात्रों की संख्या बीस हजार के करीब है। इसके पांच सौ संबंधित कॉलेजों के साथ - साथ दो लाख छात्रों ने विभिन्न स्नातकोत्तर और परास्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया है। तमाम तरह के शोध हो रहे हैं। जो विदेशों में भी अपनी प्रतिभा का झण्डा बुलंद कर रहे हैं।

इमारत को देखकर भावुक हुए पद्मश्री

पद्मश्री प्रोफेसर बलराम भार्गव कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए थे। समय से पहले पहुंचे मुख्य अतिथि की निगाहें कार्यक्रम से इतर कुछ और ही ढूंढ रही थीं। पूछने पर बताया कि एमबीबीएस, एमडी और डीएम की डिग्रियां उन्होंने लविवि से ही हासिल की थीं। उस समय को याद करते हुए कहते हैं कि उस दौर में सोशल साइट्स नहीं हुआ करती थीं। तब केवल लाइब्रेरी होती थी। कुछ - एक दुकानों पर जाकर किताबें खरीदना और फिर पढ़ना एक उपलब्धि से कम नहीं था। आज भी किताबों की उपयोगिता है। प्रो. भार्गव कहते हैं कि 2025 तक टीबी के समूल खात्मे के लिए अभियान में लगा हुआ हूं। उम्मीद है, समाज के लिए कुछ और बेहतर कर सकूं। बता दें कि पद्मश्री कोविड काल में कोवैक्सीन बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग दे चुके हैं। ये स्वदेशी कम लागत वाले कार्डियोलॉजिकल स्टेंट के मूल्यांकनकर्ता हैं। इन्होंने प्लेटिनम इरिडियम विकसित किया है। एम्स में स्टेम सेल सेंटर स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पद्मश्री प्रोफेसर बलराम भार्गव

विवि की महत्वपूर्ण भूमिका से साक्षरता स्तर में आया बदलाव

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि साक्षरता का स्तर बढ़ाने में विवि की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वर्ष 2001 में साक्षरता स्तर 65 फीसद था। 2011 में बढ़कर 74 फीसद हो गया। लैंगिक असंतुलन के बावजूद यह वृद्धि जारी है। राज्यपाल ने बताया कि उच्च शिक्षा सर्वेक्षण 2018 के अनुसार, देश में 907 विवि और 50 हजार उच्च शिक्षण संस्थान हैं। इनमें 3.3 करोड़ छात्र नामांकित हैं। शिक्षा के बढ़ते स्तर के कारण इस समय 79 हजार विदेशी छात्र देश के विश्वविद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

कुलाधिपति ने फहराया तिरंगा, बढ़ा मान

लखनऊ विवि का 66 वां दीक्षांत तिरंगे का साक्षी बना। 103 फीट ऊंचे खंभे के सहारे स्थापित संविधान स्थल का लोकार्पण कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने करते हुए तिरंगा फहराया। संविधान स्थल पर बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

नन्हे -मुन्नों को दुलारा फिर दिया आशीर्वाद

दीक्षांत समारोह में एक दर्जन से अधिक ऐसे छात्र थे, जो प्राथमिक स्कूल में शिक्षा ग्रहण करने वाले थे। उम्मीद संस्था की ओर से दिए गए फल और बस्ते राज्यपाल ने वितरित किए, उन्हें प्यार करते हुए आशीर्वाद दिया। ऐसे में कार्यक्रम में आई कार्यकत्रियों को बच्चों की अधिक देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित भी किया।

सहयुक्त महाविद्यालयों के प्राचार्यों का रुझान दिखा कम

लखनऊ विवि में 570 से अधिक सहयुक्त महाविद्यालय हैं। ये लखनऊ के अलावा सीतापुर, हरदोई, लखीमपुर और रायबरेली में स्थित हैं। 66 वें दीक्षांत समारोह के दौरान इन महाविद्यालयों के प्राचार्य और विभागाध्यक्ष कम संख्या में कार्यक्रम के दौरान दिखाई पड़े। ऐसे में चर्चाओं का बाजार गर्म रहा।

धरना देने वाले छात्रों को कुलाधिपति की सलाह

धरना देने वाले छात्रों को कुलाधिपति ने सलाह दी है। राज्यपाल का कहना है कि यदि धरना या प्रदर्शन करना है तो बाल विवाह जैसी कुरीतियों के खिलाफ करें। इससे समाज में रचनात्मक परिवर्तन देखने को मिलेगा। राज्यपाल ने कहा कि जरूरत पड़े तो गांव - गांव जाने से भी परहेज न करें।

दूसरों को आगे बढ़ाने वाला ही होता है होनहार

अमृत विचार, लखनऊ : पदक पाने वाले 193 मेधावियों में अधिकतर ने सेवाभाव को आगे बढ़ाने की बात कही। होनहारों का कहना है कि असली जीवन और जीत वही है, जो दूसरों के काम आ सके। मिलजुल कर किया गया कार्य निश्चित रूप से समाज में रचनात्मक बदलाव लाता है। आठ स्वर्ण पदक पाने वाली लविवि की एमए की छात्रा अपराजिता सिंह कहती हैं कि वो सिविल सर्विसेज में जाने का इसलिए मन बना चुकी हैं क्योंकि उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों की ओर ध्यान देना है। अगर राष्ट्र और संपदा को मजबूत करना है तो ग्रामीण परिवेश में आधारभूत परिवर्तन लाने ही होंगे। वह बताती हैं कि विवि के प्रोफेसरों के अलावा उन्हें पिता निशांत कुमार सिंह और माता ममता सिंह से काफी प्रेरणा मिली। इन्हें एक बुक प्राइज अवार्ड भी मिला है। श्रेयांश शुक्ला गणित के क्षेत्र में सात गोल्ड पाने वाले मेधावी हैं। वह कहते हैं कि तकनीकी व्यवस्था जितनी मजबूत होगी, समाज बेहतर बनता जाएगा। ऐसे में वे शोध करने का मन बना चुके हैं। वह कहते हैं ध्येय तय है, लक्ष्य भी मिलेगा। इफ्फत खान शिया पीजी कॉलेज की लॉ की छात्रा हैं। उन्होंने कहा कि जिस समाज में शिक्षा की ज्योति होगी, वहां उजियारा बना रहेगा। हर धर्म शिक्षा प्राप्ति पर बल देता है। पढ़ाई की ओर उन्हें मां ने प्रेरित किया। हाल दिनों में इलाके के बच्चों को प्रेरित कर रही हूं, ये अलख आगे भी जारी रखूंगी। गोल्ड पाने वाली रिचा सावंत कहती हैं कि उनका लक्ष्य बहनों को आगे बढ़ाना है। क्योंकि जिस समाज में बेटियां आगे बढ़ती हैं, बदलाव निश्चित रूप से आता है।

मेडल पाने के बाद खिले मेधावियों के चहरे। अमृत विचार

अतिथियों ने दिया सामाजिक समृद्धि का संदेश

अमृत विचार, लखनऊ : लविवि में 66 वें दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि व विवि से सम्बद्ध पूर्व छात्र पद्मश्री प्रोफेसर बलराम भार्गव ने नई पीढ़ी को प्रेरित करते हुए संदेश दिया कि समय की पाबंदी आवश्यक है। व्यवसायिक ज्ञान और योग्यता के साथ कार्य करते हुए पेशे में ईमानदारी बरतनी चाहिए। साथ ही समाज को जोड़कर पौधरोपण करना चाहिए। इसमें आत्मबल बढ़ता है। कुलाधिपति से मानक उपाधि से सम्मानित हुए डॉ. संदीप गोयल ने इससे पहले भी गोल्ड मेडल हासिल किया था। उन्होंने बताया कि विज्ञापन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। किसी भी कंपनी अथवा व्यवसाय की अब ये मुख्य धारा बन गया है। छात्र इस क्षेत्र में अपार लाभ प्राप्त कर सकते हैं। वहीं उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि पदक विजेताओं और डिग्री धारकों की अब जिम्मेदारी दोगुनी हो गई है। वो समाज में जाकर शिक्षा का उजियारा करें, जो छात्र कमजोर हैं, उन्हें प्रेरित भी करें। डॉ. बीरबल साहनी, प्रो. डीपी मुखर्जी, कलाल साद, एनकेएस घा और लूबा आदि ने विवि का नाम रोशन किया है। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा भी यहीं के विद्वान थे।

प्रोफेशनल बनने से ही मिलेगी सफलता : प्रो. भार्गव

राज्यपाल की अध्यक्षता में डिग्री के साथ मेधावियों को बांटे गये मेडल, 43 हजार से अधिक छात्रों को डिजिलॉकर में दी गयी डिग्री

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

महिलाओं की उन्नति से दुनिया होती समृद्ध : राज्यपाल

बड़े सपने देखोगे तभी आगे बढ़ पाओगे : डॉ. संदीप गोयल

न्यायिक सेवा में जाना चाहते हैं स्वराज शुक्ला

पीसीएस बनना चाहती हैं शिवी गौतम

कोरोना जैसी महामारी को रोकने के लिए रोड मैप हो रहा तैयार : प्रो. बलराम

शिक्षा क्षेत्र में भविष्य बनायेंगे अनुज शुक्ल

सेना में अधिकारी बन देश की सेवा करना चाहती हूं : भाविनी

मेधावियों से बातचीत

मैं सिविल सर्विसेज में जाना चाहती हूं : अपराजिता सिंह

उच्च शिक्षा के क्षेत्र जाना चाहते हैं श्रेयांश शुक्ला

कुशल अधिवक्ता बनना चाहती हूं : इफ्फत खान

शिक्षा क्षेत्र में परचम लहराना चाहते हैं अमन स्वर्णकार

प्रोफेसर बनना चाहती हैं आयुषी मेहरा

आईएएस बनना चाहती है अनुष्का सिंह

कॉरपोरेट सेक्टर में जाना चाहती है मुस्कान

नाना के नाम का मेडल पाकर फूले नहीं समायी अंशिका

असिस्टेंट प्रोफेसर बनना चाहती हैं रिचा सामंत

कार्यालय नगर पालिका परिषद - सीतापुर

पत्रांक:-98/टी.सी.-04/2023-24 दिनांक- 05.12.2023

अतिअल्पकालीन ई-निविदा सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है, कि नगर पालिका परिषद, सीतापुर में परिषद निधि/रा.वि.अ. योजनान्तर्गत 01 परियोजना की ई-निविदा निम्नलिखित तिथियों में http://etender.up.nic.in पर आमंत्रित की जाती है-

अपलोड करने की तिथि व समय	अपलोड करने की अन्तिम तिथि व समय	निविदा खुलने की तिथि व समय
दिनांक 08.12.2023 समय पूर्वान्ह 11:00 बजे से	दिनांक 13.12.2023 समय अपरान्ह 5.00 बजे तक	दिनांक 14.12.2023 समय पूर्वान्ह 11.00 बजे तक

नियम व शर्तों की विस्तृत जानकारी कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस के साथ-साथ http://etender.up.nic.in से प्राप्त की जा सकती है।

(वैभव त्रिपाठी)
अधिशासी अधिकारी श्रेणी-1,
नगर पालिका परिषद, सीतापुर

मेडल पाकर खिले मेधावियों के चेहरे

पीएसी बैंड की सुमधुर धुनों से गूंजा परिसर, एलयू का 66वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न

स्वतंत्र भारत संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय का 66वें दीक्षांत समारोह कला संकाय के विशालकाय मैदान में सुन्दर सजावट के साथ भव्य मंच पर कार्यक्रम की शुरूआत से पूर्व राज्यपाल ने विवि परिसर में नवस्थापित संविधान स्थल का उद्घाटन किया। इसके पश्चात कुलाधिपति अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ वस्त्र अलंकरण कक्ष में चले गए जहां उन्हें और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को दीक्षांत समारोह की पोशाक पहनाई गई। इसके बाद समूह फोटो खींचने के बाद सभी अतिथियों ने मुख्य अतिथि, कुलपति, प्रति कुलपति, अकादमिक और कार्यकारी परिषद के सदस्यों तथा अन्य लोगों के साथ दीक्षांत समारोह कक्ष में प्रवेश किया। राष्ट्रीय गीत और जल भरो गतिविधि के बाद, विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों ने विश्वविद्यालय का कुलगीत गाया। इसके बाद कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने कुलाधिपति से अनुरोध किया। जिसके उपरांत आनंदीबेन पटेल ने दीक्षांत समारोह के उद्घाटन की घोषणा की। इसके पश्चात कुलपति ने दीक्षांत समारोह में उपस्थित सभी डिग्री धारकों को दीक्षा दी। इसके बाद संबंधित संकायों के डीन और कुलपति ने विभिन्न विभागों के स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों को डिग्री प्रदान की। डिग्री प्रदान करने के कार्यक्रम के उपरांत कुलाधिपति ने डिजीलॉकर में डिग्रियों को शामिल करने के लिए

कंप्यूटर बटन दबाया। डिजिलॉकर में डिग्रियों को शामिल करने के बाद कुलाधिपति, दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि पदमश्री प्रोफेसर डॉ.बलराम भार्गव, विशिष्ट अतिथि और कुलपति ने सभी पदक विजेताओं को पदक दिए। टॉपर्स को पदक से सम्मानित करने के पश्चात कुलाधिपति ने विश्वविद्यालय के डिग्री रजिस्टर पर हस्ताक्षर किए। वहीं, कुलाधिपति ने शैक्षणिक सत्र 2022-23 में विवि की गतिविधियों और उपलब्धियों और लविवि के संकाय सदस्यों द्वारा लिखी गई पुस्तकों को प्रदर्शित करने वाली एक पुस्तिका का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद रेडिफ्यूजन इंडिया के सीएमडी डॉ.संदीप गोयल को मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। कुलाधिपति ने कुछ वंचित बच्चों को उपहार और किताबें भेंट कीं। इसके अलावा, उन्होंने कुछ आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को किट उपहार में दीं और फिर वंचित बच्चों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ समूह तस्वीरें खिंचवाईं।

राज्यपाल ने अपने अध्यक्षीय भाषण के बाद सभी महानुभावों को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह के रूप में पुस्तक देकर सम्मानित किया गया। कुलपति के अनुरोध पर कुलाधिपति ने 66वें दीक्षांत समारोह की समाप्ति की घोषणा की। राष्ट्रगान के बाद दीक्षांत समारोह कक्ष से शैक्षणिक जुलूस रवाना हुआ।

डॉ.बलराम भार्गव ने विद्यार्थियों को दिए सफलता के मंत्र

66वें दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि पदमश्री प्रोफेसर डॉ.बलराम भार्गव ने अपने संबोधन में सभी डिग्री धारकों और पदक विजेताओं को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी। इसके बाद उन्होंने कहा कि हम अब आजादी के 75वें वर्ष में है और यह हमारी आजादी का अमृतकाल है। इसके बाद उन्होंने आजादी के पूरे 75 वर्षों में देश द्वारा हासिल की गई विभिन्न उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण दिया। उन्होंने कहा कि आईटी और मोबाइल सेक्टर, क्रिकेट और बॉलीवुड के अलावा देश की रक्षा सेवाओं ने देश की रक्षा की है और देश को स्थिरता प्रदान की है। उन्होंने देश के अंतरिक्ष और परमाणु कार्यक्रम के बारे में भी बात की और पोखरण-1 और पोखरण-2 की उपलब्धियों का उल्लेख किया और कहा कि देश जय जवान, जय किसान से जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान, जय की ओर बढ़ गया है। अनुसंधान, चिकित्सा क्षेत्र के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि, पूरी दुनिया में 6 में से 1 डॉक्टर

डॉ.गोयल मानद उपाधि से हुए सम्मानित

मानद उपाधि से सम्मानित होने के बाद डॉ.गोयल ने अपने संबोधन में कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल और कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय को ऐसी प्रतिष्ठित डिग्री के लिए धन्यवाद दिया और शिक्षा के इस महान केंद्र से उन्हें जोड़ने के लिए पूरे लविवि को धन्यवाद दिया। उन्होंने अपने बारे में एक छोटी सी कहानी सुनाकर छात्रों को बताया कि कैसे उन्होंने अपना ध्यान इंजीनियरिंग से हटाकर अंग्रेजी की ओर किया और अंग्रेजी में गोल्ड मेडल हासिल किया। उन्होंने अपनी संपूर्ण शैक्षिक यात्रा का एक सिंहावलोकन भी प्रदान किया और कहा कि यदि उनके जैसा एक छोटे शहर से आने वाला व्यक्ति अपने प्रयास में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकता है, तो लविवि के छात्र भी अपने वांछित करियर में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने मानद उपाधि का सम्मान करने के लिए पूरे लविवि समुदाय को धन्यवाद देते हुए अपना संबोधन समाप्त किया।

भारत में शिक्षा के महत्व को सदैव स्वीकार किया गया : कुलपति

लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने पूरे विवि बिरादरी की ओर से कुलाधिपति, मुख्य अतिथि प्रो.बलराम भार्गव और विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी का स्वागत किया और उन्हें दीक्षांत समारोह में उनकी उपस्थिति और शोभा बढ़ाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने डॉ.संदीप गोयल का भी स्वागत किया,जिन्हें 66वें दीक्षांत समारोह में मानद उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने सभी पदक विजेताओं और उन छात्रों को भी बधाई दी जिन्हें डिग्री प्रदान की गई। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत में शिक्षा के महत्व की चर्चा बहुत प्राचीन और विश्व प्रसिद्ध है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने फिर से भारतीय मानस के अद्भुत योगदान की ओर हमारा ध्यान आकर्षित किया।भारत में शिक्षा के महत्व को सदैव स्वीकार किया गया है। हमारा मानना था कि शिक्षा मुक्तिदाता होनी चाहिए जो हमें सभी बंधनों से मुक्त कर दे। हम सभी अपने मूल सृजनात्मक शुद्ध स्वभाव से सत्यान्वेषी, सत्यनिष्ठ एवं सदाचारी बनें, ऐसी प्रार्थनाएं हमारे सभी गुरुकुलों में गूंजती रही हैं।

लविवि का उद्देश्य समतामूलक समाज का निर्माण करना:राज्यपाल

अध्यक्षीय भाषण में राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि लविवि के 66वें दीक्षांत समारोह में उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। इस विवि में आध्यात्मिक साधना के क्षेत्र में ऐसे महान विद्वान, वैज्ञानिक, लोक सेवक, सामाजिक कार्यकर्ता, विचारक और लेखक है और उनकी प्रतिभा को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है। विवि का नाम किया रोशन डॉ.बीरबल साहनी,प्रो.डीपी मुखर्जी,कलाल साद, एन.के.एस.धा और तूबा। यह हम सबके लिए गर्व की बात है कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्माजी भी यहीं के विद्वान एवं विद्वान थे। उन्होंने सभी डिग्री धारकों और पदक विजेताओं को बधाई दी और कहा कि प्रत्येक छात्र राष्ट्र निर्माण के लिए हमारी प्रतिभा का अच्छा उपयोग करेगा। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह एक विशेष उत्सव का अवसर होता है, जब छात्र सैद्धांतिक और साहित्यिक ज्ञान को मिलाकर व्यावहारिक सलाह प्राप्त करने के बाद जीवन के लिए संघर्ष शुरू करते हैं। उन्होंने कहा कि जो भी छात्र ज्ञान प्राप्त करता है उसे न केवल लाभ मिलता है बल्कि उसके ज्ञान और विचारशील अंतर्दृष्टि से उसके परिवार और समाज को भी लाभ मिलता है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल के कार्यकाल में उन्हें लविवि में आने का कई बार मौका मिला,हर बार यह विवि उन्हें कुछ नया लगा। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय बीसवीं सदी के शुरुआती दशकों में शुरू हुआ था। लेकिन, पिछले कुछ वर्षों में, इसके छात्रों और स्नातकों ने राष्ट्र के लिए विभिन्न योगदान दिए हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के समय इस विवि में 3,893 छात्र थे और इसका बजट 23 लाख रुपये था। आज इस विवि परिसर में विद्यार्थियों की संख्या लगभग बीस हजार हो गयी है। इसके पांच सौ संबंधित कॉलेजों के साथ-साथ दो लाख छात्रों ने विभिन्न स्नातकोत्तर और परास्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया है।

लविवि के पूर्व छात्र दुनियाभर में तमाम क्षेत्रों में प्रगति कर रहे : रजनी तिवारी

दीक्षान्त समारोह की विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने सभी पदक विजेताओं को पदक पाने औरलविवि को यूजीसी से कैटगरी प्रमाणन प्राप्त करने के लिए भी बधाई दी। उन्होंने आगे कहा कि दीक्षांत समारोह लविवि और छात्र दोनों के लिए एक प्रकार का उत्सव है। उन्होंने विवि के उत्तीर्ण छात्रों को भी याद किया, कहा कि लविवि के पास बहुत मजबूत पूर्व छात्र आधार है,जो पूरी तरह इससे कनेक्ट है। विवि के पूर्व छात्र दुनियाभर में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति कर रहे हैं। उन्होंने छात्रों के समग्र विकास के लिए लविवि के प्रयासों की सराहना की और फिर कहा कि पदक विजेताओं और डिग्री धारकों की जिम्मेदारी अब बढ़ गई है क्योंकि अब उन्हें समाज की भलाई के लिए अच्छा योगदान देना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों से सकारात्मक सोच के साथ अपने प्रयासों में आगे बढ़ने का आग्रह किया।

लखनऊ

LU: 66वें दीक्षांत समारोह में 107 मेधावियों को मिले 193 पदक, कुलाधिपति बोलीं...

नेता बनना है तो समाज से जुड़ें

महर्षि भारद्वाज ने बताई विमान बनाने की तकनीक

शिक्षा मुक्तिदाता होनी चाहिए

दुनिया में 6 में से एक डॉक्टर भारतीय

बढ़ गई जिम्मेदारी

जिसमें मन, उसमें करियर बनाएं

टीबी को जड़ से खत्म करने का लक्ष्य: प्रो. बलराम भार्गव

मेधावी बोले, सिविल सर्वेंट और प्रोफेसर बनने का है सपना

वैदिक काल से ही हमारे अनुसंधान अत्यंत समृद्धः राज्यपाल

लखनऊ विश्वविद्यालय का 66वां दीक्षान्त समारोह सम्पन्न

इन्हें मिले सबसे ज्यादा पदक

- अपराजिता सिंह - 9 मेडल
- श्रेयांश शुक्ला - 9 मेडल
- इफ्फत खान - 8 मेडल
- अमन स्वर्णकार - 6 मेडल
- आयुषी मेहरा - 5 मेडल
- अनुष्का सिंह - 5 मेडल
- मुस्कान कुमारी - 5 मेडल
- शिवि गौतम - 5 मेडल

शिक्षा के क्षेत्र को बनायेंगे कॅरियरः पं. अनुज शुक्ल

लखनऊ विश्वविद्यालय के ज्योतिर्विज्ञान विभाग से पीएचडी की डिग्री प्राप्त करने वाले पं. अनुज कुमार शुक्ल का कहना है कि आगे चलकर वह शिक्षा को ही अपना क्षेत्र बनाएंगे। अनुज कुमार शुक्ल ने अपना शोध कार्य डॉ सत्यकेतु के मार्गदर्शन में श्री पद्मनाभ चौमादि (सोमयाजी) कृत जातकादेशमार्ग एक अनुशीलन विषय पर अध्ययन कार्य पूर्ण किया है। अनुज कुमार शुक्ल मूलतः जनपद सीतापुर के ग्राम उल्लापुर के निवासी है किंतु शैक्षिक अध्ययन लखनऊ में रहकर किया है और वह वर्तमान में लखनऊ में ही निवास कर रहें हैं। पं. शुक्ल को ज्योतिष में बेहतर कार्य करने के लिये अखिल भारतीय प्राच्य ज्योतिष शोध संस्थान जयपुर राजस्थान से ज्योतिष गौरव सम्मान भी प्राप्त हो चुका है। इनके पिता लालता प्रसाद शुक्ल पूर्व प्राचार्य और माता गृहणी हैं।

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय का 66वां दीक्षांत समारोह बुधवार को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने समारोह से पूर्व विश्वविद्यालय में 100 फीट ऊँचे राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण किया। साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में संविधान स्थल का लोकार्पण किया और आज डॉ. भीमराव राव आम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

राज्यपाल ने कलश में जलधारा अर्पण करके जल संरक्षण के संदेश के साथ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह का शुभारम्भ किया। समारोह में राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के कुल 107 प्रतिभाशाली मेधावियों को 192 पदक प्रदान किए, जिसमें 28 छात्र एवं 79 छात्राओं ने पदक हासिल किए। इसके साथ ही समारोह में कुल 43398 उपाधियाँ प्रदान की गईं। जिसमें स्नातक स्तर पर 33146, परास्नातक स्तर पर 10009 तथा 243 शोध उपाधि प्रदान की गयीं। सभी उपाधियां डिजिलॉकर में अपलोड कर दी गयीं। इस अवसर पर सीएमडी रेडिफ्यूजन इंडिया संदीप गोयल को कुलपति द्वारा मानद उपाधि प्रदान की गई। राज्यपाल ने सभी उपाधि प्राप्त कर्ताओं तथा पदक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि यह कठिन श्रम का परिणाम है। उपाधियों एवं पदकों में छात्राओं की संख्या ज्यादा होने पर उन्होंने कहा कि सभी विश्वविद्यालय में यही स्थिति है। उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राएं मिलकर आगे बढ़े यह प्रयास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं समृद्ध होती हैं तो दुनिया समृद्ध होती है और उनका आर्थिक सशक्तिकरण विकास को बढ़ावा देता है। राज्यपाल ने लखनऊ विश्वविद्यालय की स्थापना के 103 वर्ष पूरे होने एवं विश्वविद्यालय द्वारा कई विद्वानों, वैज्ञानिकों, लोकसेवकों तथा विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाएं देने को गर्व का विषय बताया। विश्वविद्यालय को यूजीसी द्वारा एकेडमिक ऑटोनमी में ग्रेड 1 का दर्जा दिए जाने पर भी बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रदेश के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। एनआईआरएफ में भी 200वीं रैंक होने की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि यह संयुक्त प्रयासों का परिणाम है, जो गौरव का विषय है।

राज्यपाल ने शैक्षणिक रूप से उच्चतर शिक्षा में पिछड़ गए लोगों में कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से पर्याप्त क्षमता विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए कहा कि भारत में उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण पर जोर दिया जा रहा है ताकि भारत विदेशी छात्रों के लिए पुनः आकर्षण का केंद्र बन सके। राज्यपाल ने वैदिक काल के अनुसंधानों की चर्चा करते हुए कहा कि वैदिक काल से ही हमारे अनुसंधान अत्यंत समृद्ध थे। अनेक ऋषि-मुनियों का जिक्र करते उन्होंने कहा कि महर्षि भारद्वाज द्वारा विमान प्रौद्योगिकी पर किए गए शोध ने वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राइट ब्रदर्स के द्वारा विमान के आविष्कार से 8 वर्ष पहले ही भारत में बम्बई की चौपाटी पर 1800 फुट की ऊँचाई पर विमान का परीक्षण किया गया था। उन्होंने कहा कि भारत में एक ही साथ जल, थल एवं नभ पर उड़ान भर सकने वाले विमान का निर्माण प्राचीन काल में ही किया जा चुका था, इसका वर्णन प्राचीन साहित्यों में मिलता है। हमें इस बात का गौरव होना चाहिए।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा विगत् दिनों लगाई गई पुस्तक मेले की प्रशंसा करते हुए कहा कि छात्रों में अपने विषय के साथ दूसरे विषय को पढ़ने की रुचि होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि सशक्त युवा शक्ति से देश का विकास होता है। उन्होंने कहा कि भारत आज स्पेस, स्टार्टअप, ड्रोन, एनीमेशन, इलेक्ट्रिक व्हीकल, सेमीकंडक्टर जैसे कई सेक्टर में युवाओं के लिए नए अवसर तैयार कर रहा है। इस अवसर पर उच्च शिक्षा राज्य मंत्री और विशिष्ट अतिथि रजनी तिवारी ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना देते हुए कहा कि उपाधि/पदक प्राप्त करने के बाद विद्यार्थियों की परिवार, समाज व देश के प्रति जिम्मेदारियां और अपेक्षाएं बहुत बढ़ जाती हैं। उन्होंने कहा कि डिग्री की सार्थकता तभी है, जब वह समाज के कमजोर वर्ग का उत्थान तथा देश विकास में सहयोग दे सकें। उन्होंने विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ाने को प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक राय ने समारोह में कुलाधिपति एवं राज्यपाल के समक्ष विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग कर रहे भिक्षा से शिक्षा की ओर जुड़े उम्मीद संस्था के 30 बच्चों को स्कूल बैग, पठन-पाठन सामग्री तथा पोषण सामग्री प्रदान की। कार्यक्रम में राज्यपाल ने 20 आंगनबाड़ी केन्द्रों सुविधा सम्पन्न बनाने हेतु आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किट प्रदान की।

ऋचा सामंत को मिला चांसलर मेडलः ऋचा सामंत को चांसलर गोल्ड मेडल, स्वराज शुक्ला को जीएन चक्रवर्ती मेडल, भावनी बहुगुणा को कुलपति गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया है। इसके अलावा शिवि गौतम को चांसलर सिल्वर मेडल, श्रेयांश शुक्ला को चांसलर सिल्वर मेडल, अरुण कुमार को चांसलर ब्रॉन्ज मेडल, चेतन शुक्ला को चांसलर ब्रांज मेडल, मान्या श्रीवास्तव को चांसलर ब्रॉन्ज मेडल, प्रियंशु निगम को चांसलर ब्रॉन्ज मेडल, माही गुप्ता को चांसलर ब्रॉन्ज मेडल व स्वाति को चांसलर ब्रॉन्ज मेडल से सम्मानित किया गया है।

शिक्षा के क्षेत्र में संवारना है भविष्य : ऋचा सामंतः मैंने मनोविज्ञान में स्नातक, परास्नातक की पढ़ाई की है। मेरे पिता एनएस सामंत शॉप कीपर और मां आनंदी सामंत हाउस वाइफ हैं। अभी नेट की तैयारी कर रही हूं। आगे चलकर मनोविज्ञान की शिक्षिका बनाना चाहती हूं। एलयू में मनोविज्ञान विभाग के सभी शिक्षक सर्वश्रेष्ठ हैं। मैं उनके जैसे ही बनना चाहती हूं। मुझे मनोविज्ञान में हर्जबर्ग की थ्योरी पसंद है। मनोविज्ञान के जरिए ही हम खुद को, दूसरों को और अपने आस-पास के लोगों के बारे में जानना का मौका मिलता है।

थल सेना में बनना है अफसरः भाविनी बहुगुणाः अभी एलयू से बीकॉम ऑनर्स की पढ़ाई कर रही हूं। मां जीजीआईसी नरही में शिक्षिका और पिता सहारा इंडिया में कार्यरत हैं। मुझे संगीत का शौक है इसलिए भातखंडे विधि से विषारद में डिग्री हासिल की। अब थल सेना में बतौर अफसर नौकरी करना चाहती हूं। मौजूदा समय में एनसीसी आर्मी विंग जॉइन किया हुआ है। जहां भारतीय सेना से जुड़ी सभी जानकारियां दी जाती हैं। इससे पहले मैंने रशिया में आयोजित यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में यूपी निदेशालय का प्रतिनिधित्व किया था।

जिनको स्ट्राइक करना है, वो यूनिवर्सिटी न आएंः राज्यपाल

अपने संबोधन के दौरान राज्यपाल ने एक प्रकरण को उठाते हुए कहा कि अभी 15 दिन पूर्व कुछ स्टूडेंट्स उनके पास आये। मैंने स्टूडेंट्स से पूछा कि आप स्ट्राइक क्यों कर रहे हो? जब यूनिवर्सिटी इतना अच्छा काम कर रही है। छोटी-छोटी बातों के लिए बैठ जाना, यह क्यों होता है? तब छात्रों ने जवाब दिया कि जिनको पढ़ना नहीं है, स्ट्राइक करते हैं, हमें पढ़ना है तो हम कभी स्ट्राइक पर जाते ही नहीं हैं। तो हमने कहा कि जिनको पढ़ना नहीं है, वो स्ट्राइक पर क्यों जाते हैं? मत आएं यूनिवर्सिटी में तो छात्रों ने जवाब दिया नहीं मैम, उन्हें राजनेता बनना है।

लीगल की किताबें पसंद, बनूंगा जजः स्वराज शुक्ला

हमीरपुर जिले के सरस्वती विद्या मंदिर से इंटरमीडिएट किया है। एलयू से एलएलबी पांच वर्षीय की पढ़ाई पूरी की है। पिता राजकीय इंटर कॉलेज में हिंदी और संस्कृत के शिक्षक और मां हाउस वाइफ हैं। मेरी सफलता में नानाए पिता व मां का अहम रोल है। मैं अपने नाना से बहुत ज्यादा इंस्पायर्ड हूं। आगे चलकर जज बनना चाहता हूं। जिसके लिए अभी से तैयारी शुरू कर दी है। मुझे लीगल से संबंधित किताबें पढ़ना पसंद है। सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के आदेशों का किन-किन देशों में प्रयोग हो रहा है उसे जानना अच्छा लगता है। मुझे समाज में लोगों को संवैधानिक व कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूक कर उसके लिए लड़ना सिखाना है।

आगे बढ़ने के लिए बड़े सपने देखो : डॉ. संदीप गोयल

दीक्षांत समारोह में मानद उपाधि से सम्मानित होने वाले ऐड गुरु डॉक्टर संदीप गोयल ने बताया कि जिसने भी बड़ा सपना देखा है वही हमेशा आगे बढ़ा है। उन्होंने कहा कि मैं खुद एक छोटे से शहर से आया था पर अपनी लगन और सपनों को कभी छोटा नहीं होने दिया। अपने सपनों को पूरा करने के लिए मैंने जितना हो सके उतनी चीज हमेशा सीखता रहा और आज इस मुकाम तक पहुंचा हूं। उन्होंने छात्रों से कहा कि आपने अपने भविष्य के लिए जो भी सपना देखा है उसे पूरा करने के लिए रोड मैप बनाएं और उसे पर चलें। उन्होंने कहा कि हमारे एडवरटाईजिंग की दुनिया में जब कोई नया प्रोडक्ट आता है तो सबसे पहले हम उस प्रोडक्ट के बारे में सब कुछ पता करते हैं और फिर यह तय करते हैं कि यह प्रोडक्ट किन लोगों के लिए है और फिर उन तक पहुंचाने के लिए हम इसका मार्ग बनाते हैं। उन्होंने बताया की आज पढ़ाई पूरी कर रहे छात्र भी एक नए प्रोडक्ट की तरह है पर यहां आपको अपना प्रोडक्ट खुद ही आगे लेकर जाना है। ऐसे में आपको जिस फील्ड में भी आगे जाना है उस फील्ड के बारे में अच्छे से जानें और उसे तक पहुंचाने के मार्ग को बनाए। यही एक अच्छे एडवरटाइजर्स बनने का रास्ता होता है और इसी मार्ग से ही आप अपने फ्यूचर्स गोल को प्राप्त कर सकते हैं। डॉक्टर संदीप गोयल ने कहा कि आज बेटिंग साइट बहुत तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में इन सभी बेटिंग साइट्स जो एडवर्टाइजमेंट के माध्यम से लोगों तक खुद को पहुंचा रही है इन्हें अच्छे से रेगुलेट करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एडवर्टाइजमेंट हमारे इकोनॉमी के एसेंशियल ऑयल की तरह है। अगर एडवरटाइजमेंट फील्ड बेहतर काम करेगा तो हमारे देश की इकोनॉमी भी अच्छे से चलेगी। उन्होंने डिग्री प्राप्त कर रहे युवाओं को कहा कि जब मार्केट में कोई नया प्रोडक्ट आता है तो उसे किसी सेलिब्रिटी के फेस की जरूरत होती है। ठीक उसी तरह आपको अब प्रोफेशनल फील्ड में काम करने जा रहे हैं तो उन आपको एक बेहतर जॉब अपॉर्चुनिटी या प्लेसमेंट की जरूरत है। एक बार आपको जब वह प्लेसमेन्ट मिल जाए तो आप अपने आप को खुद एक प्रोडक्ट के तौर पर तैयार कर सकते हैं।

भविष्य में कोरोना जैसी महामारी को रोकने के लिए रोड मैप हो रहा तैयारः डॉ. बलराम भार्गव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सलाहः सिगरेट का सेवन करने वाले युवा न जाए जिम

लखनऊ विश्वविद्यालय के 66वें दीक्षान्त समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के पूर्व निदेशक और एम्स नई दिल्ली के कार्डियोलॉजी विभाग के पद्मश्री प्रोफेसर बलराम भार्गव ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि भारत कोरोना जैसे महामारी को भविष्य में रोकने के लिए पूरा रोड मैप तैयार कर रहा है। इसमें भारत सरकार देश के सभी वैज्ञानिक और मेडिकल से जुड़े हुए इंस्टीट्यूट मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिस तरह से हमने कोरोना को रोकने के लिए स्वदेशी वैक्सीन को रिकार्ड समय में विकसित किया है, उसी तरह हम भविष्य में कोरोना जैसी किसी भी महामारी को रोकने के लिए अभी से काम कर रहे हैं और भारत पूरे विश्व में इस तरह की आपदाओं को रोकने के लिए एक मार्गदर्शन के तौर पर सामने आएगा।

डॉ भार्गव ने कहा कि हमारे देश में कोरोना को रोकने के लिए जितनी भी वैक्सीन बनी है वह पूरी तरह सेफ है। कोरोना के वैक्सीन को लेकर जिस तरह की भ्रांतियां फैलाई जा रही है कि अब उससे लोगों को हार्ट अटैक या पेट से जुड़ी बीमारियां हो रही है या पूरी तरह से गलत है। पद्मश्री डॉ भार्गव ने कहा कि युवा अवस्था में जो लोगों को हार्ट अटैक की समस्या आ रही है इसका मुख्य कारण हमारा हैबिटेट है। उन्होंने बताया कि विश्व में जितना भी तंबाकू का उत्पादन होता है उसका सबसे ज्यादा 70 फीसद से अधिक का प्रयोग भारत में होता है। विशेष तौर पर जो लोग जिम जाते हैं उन्हें सिगरेट व तंबाकू के सेवन से परहेज करना चाहिए। युवाओं में हार्ट अटैक का मुख्य कारण यही है। उन्होंने मंच से अपने संबोधन से कहा कि आईटी और मोबाइल सेक्टर, क्रिकेट और बॉलीवुड के अलावा देश की रक्षा सेवाओं ने देश की रक्षा की है और देश को स्थिरता प्रदान की है।

उन्होंने देश के अंतरिक्ष और परमाणु कार्यक्रम के बारे में भी बात की और पोखरण-1 और पोखरण-2 की उपलब्धियों का उल्लेख किया और कहा कि देश जय जवान, जय किसान से जय जवान जय किसान जय विज्ञान जय अनुसंधान की ओर बढ़ गया है। चिकित्सा क्षेत्र के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में 6 में से 1 डॉक्टर भारतीय है, इसी तरह पूरी दुनिया में 5 में से 1 नर्स भारतीय है। भारत 65 फीसद जेनेरिक दवा और लगभग 60 फीसद वैक्सीन का निर्माता है।

{ LUCKNOW UNIVERSITY'S CONVOCATION }

Medal winners' mantra: 'Regular studies helped us stay ahead'

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: "Years of hard work has been rewarded at the convocation... it's time to step into the outer world, make a meaningful career and contribute towards the development of the society. Regular studies helped us stay ahead of others," said medal winners at Lucknow University's 66th convocation ceremony on Wednesday.

A total of 43,398 degrees were awarded while 193 medals were distributed among 107 students, including 79 girls and 28 boys. Of the 193 medals, 173 were gold, two silver, 10 bronze and eight book prizes.

LU conferred the Dr Chakravarti Gold Medal on Swaraj Shukla of the law faculty for social service. As a law student, he helped set up a shelter for slum dwellers in winter. Swaraj completed BA LLB five-year degree course this year with 75.8%.

"I was a part of NSS from 2019 to 21. During Covid period, we launched a campaign to spread awareness regarding vaccination. I also conducted a hygiene drive, legal awareness camp, and plantation drive," said Swaraj, who is pursuing LLM from Allahabad University.

He dedicated his medal to his father VK Shukla, a teacher, mother Rajshree and maternal grandfather RC Mishra.

The Vice-Chancellor's Gold Medal was awarded to the best NCC candidate, Bhavini Bahuguna. A B Com student, she attended Republic Day parade camp 2023 in New Delhi and was a part of the cultural point, for which she bagged the Governor's Gold Medal in February this year. She visited Russia as a part of youth exchange programme of government of India.

Bhavini wants to join the defence services and devote her life to the service of the nation. "I have pursued Sangeet Visharad in classical music from Bhatkhande University," she said.

The Chancellor's Gold Medal was conferred on Richa Samant (MA course). Aparajita Singh (MA, AIH) who received eight gold medals and a book prize for securing highest marks (79.96%) in Ancient Indian History in MA, wants to join civil services.

Her father is an HR official in a private university and mother is a housewife. Aparajita studied BA and MA from LU. Her only advice to students is not to get discouraged in life and one should always remain positive. When one path is closed, the other one automatically opens, she said.

Shreyansh Shukla of (MSc, Mathematics), who bagged seven gold medals, one Chancellor Silver Medal, wants to become a Maths teacher. This student took admission to LU after completing intermediate from a school in Sitapur. She pursued B.Sc and M.Sc from LU.

"I am inspired by my grandfather Upendra Prakash Shukla who was a teacher of agriculture in an inter college. It is because of him that I want to become a Maths teacher in a university," said Shreyansh.

Iffat Khan, who got eight gold medals for securing 78.42% marks in LLB three-year course, said only regular studies can help students be a topper in any discipline. Iffat wants to become a law teacher.

Governor Anandiben Patel presents certificates to Aprajita Singh, who won eight medals at the 66th convocation ceremony of the Lucknow University on Wednesday; (right) the governor and other dignitaries pose for a photo with medal winners and other degree awardees. DEEPAK GUPTA/HT

Guv unhappy with students protesting on 'petty issues'

LUCKNOW: Governor Anandiben Patel expressed her displeasure on Wednesday regarding student leaders staging a protest demonstration on the Lucknow University (LU) campus. Dismissing the students' protest, the governor questioned the need for a dharna on minor issues when the university is performing well.

"I was informed that the protesting students aspire to become politicians. Have you ever heard of prime minister Narendra Modi or any other prominent leaders staging a protest? Instead, our students should protest against practices like dowry or child marriage," stated Patel. Patel encouraged students to showcase their leadership by actively combating social issues such as dowry and child marriage.

Patel advised against disrupting the smooth functioning of campuses and appealed to student leaders to contribute positively by assisting underprivileged students and connecting with the community.

However, student leaders, who have been staging a sit-in for several days to demand the restoration of student union elections on campuses, disagreed with the governor's perspective.

They argued that their fight for the reinstatement of LUSU polls, considered a democratic right, was not a minor issue.

Various student organisations, including NSUI, expressed dissatisfaction with Patel's remarks, stating that those unfamiliar with student politics could not comprehend its dignity and the struggles faced by student leaders.

'INDIA REACHED SIGNIFICANT MILESTONES'

LUCKNOW: India's progress extends beyond information technology (IT) to include achievements in defence, nuclear capabilities, and space missions. We have reached significant milestones, such as launching lunar and solar missions, conducting the first nuclear test in Pokhran, and making notable contributions in the defence sector, said Padma Shri Professor Balram Bhargava, former Director General of the Indian Council of Medical Research (ICMR), on Wednesday.

Speaking as the chief guest at the 66th convocation of Lucknow University (LU), Prof Bhargava, who spearheaded the Indian response to the Covid-19 pandemic, provided an overview of India's achievements in 75 years of independence. He emphasised that beyond IT, the mobile sector, cricket, and Bollywood, defense personnel have played a crucial role in protecting the nation and ensuring stability.

Discussing the medical sector, he highlighted those one out of six doctors globally is Indian, along with one out of five nurses. Moreover, 65% of generic medicines and 60% of vaccines are produced in India. An alumnus of King George's Medical University, which was formerly part of LU, Prof Bhargava motivated graduating students to prioritise punctuality, professional knowledge and competence.

Samvidhan Sthal at LU

Governor Anandiben Patel on Wednesday inaugurated Samvidhan Sthal at Lucknow University and hoisted the national flag on a 100-ft pole to mark BR Ambedkar's death anniversary, the architect of Constitution of India. She paid floral tribute to Ambedkar's statue in front of Malviya Hall.

The Preamble to the Indian Constitution was installed at the Constitution Sthal in both Devanagari (Hindi language) and Roman (English language) scripts. The Governor expressed happiness that degree college students dominated the medal list at the convocation. Students of Jai Narain PG College got 14 medals, IT College 11, Shia PG College nine, Vidyant Hindu Degree College six among others. She said according to the All India Survey of Higher Education-2018, India had 907 universities and 50,000 higher education institutions, with 3.3 crore students enrolled therein.

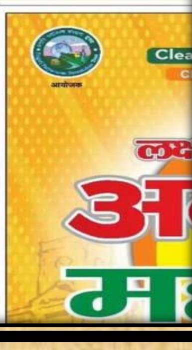

Links to take a look over convocation

1. https://www.amritvichar.com/article/424095/lu-66th-convocation-is-not-the-end-of-convocation-it

2. https://www.inextlive.com/video/in-lucknow-university-66th-convocation-2023-up-governor-anandiben-patel-awards-79-medals-to-the-toppers-of-university-1701867513

3. https://www.etvbharat.com/hindi/uttar-pradesh/state/lucknow/66th-convocation-of-lucknow-university/up20231206163113963963852

4. https://www.amritvichar.com/article/423983/lucknow-university-66th-convocation-convocation-ceremony-started-under-the-chairmanship

The Report has been drafted by Anjali Yadav,

Research Scholar,

Under supervision of Prof. Madhurima Lall,

Faculty of commerce.

Department of Applied Economics,